सांवरिया मन भाये गयो रे | By Sudhir Salona

सांवरिया मन भाये गयो री
सांवरिया मन भाये गयो री
सांवरिया मेरो सांवरिया
सांवरिया मेरो सांवरिया
सांवरिया मन भाये गयो री
सांवरिया मन भाये गयो री

तेरी प्रीत ने हमको क्या ना दिखाया
हाँ बदनाम करके जगत में हंसाया
खिंची आई बेसुध ना सोचा ना समझा
लबो से लगा बांसुरी जब बुलाया
लबो से लगा बांसुरी जब बुलाया
अदाओं भरी टेढ़ी चितवन जो देखी
दिलो जां लुटा जब ज़रा मुस्कुराया
सुना भोलो भाली वो प्रीत की बातें
कहाँ चल दिए जाने क्या दिल में आया
तेरी खोज में जिस्मो जाना रहूं भूली
पत्ता पत्ता में ढूंढा पता कुछ ना पाया
सब रिश्ते दिलो जां तेरे हाथ बेचे
बहुत कुछ गवाया ना कुछ हाथ आया
मज़ा खूब ये शाम वाह तेरी उल्फत
ना घर का रखा और ना अपना बनाया
फिर भी क्या है ये.....
सांवरिया मन भाये गयो री .....

पहना पट्ट प्रीत मनोहर जो
उसे बार बार फहराना ना था
बिन दाम गुलाम बनाना ना था
यदि प्रीत की रीत निभाना ना था
यदि प्रीत की रीत निभाना ना था
इसलिए सखी फिर भी कह रही हूँ, क्या.....
सांवरिया मन भाये गयो री .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%97%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-sudhir-salona/